Title : Shri Prabhunath Singh called the attention of the Minister of Rural Development to the need to look into the progress of implementation of Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojna in Bihar and steps taken by the Government in this regard.

Need to look into the progress of implementation of Pradhan Mantri Gramin Sadak Yojana in Bihar and steps taken by the Government in this regard

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं ग्रामीण विकास मंत्री का ध्यान अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न विषय की ओर दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस संबंध में वक्तव्य दें।

" बिहार में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की जांच किए जाने की आवश्यकता और इस संबंध में सरकार द्वारा उठाये गए कदम। "

MR. SPEAKER: You can lay the Statement.

ग्रामीण विकास मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नलिखित वक्तव्य सभा पटल पर रखता हूं।

*प्रधान मंत्री सड़क योजना के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय चरण में कुल 969 पथों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी थी जिसकी कुल लंबाई 2219 किलोमीटर एवं लागत 452 करोड़ रुपये है। इसके विरूद्ध कुल 359.90 करोड़ रुपये विमुक्त किये जा चुके हैं। अब तक 463 पथ, जिनकी लंबाई 1157.90 कि.मी. है, पूर्ण किये जा चुके हैं और 298.05 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं।

वर्ष 2004 में बिहार राज्य सरकार के अनुरोध पर इस योजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी केन्द्रीय एजेंसियों को दी गयी। तदनुसार केन्द्रीय एजेंसियां यथा इरकॉन, एन्बीसीसी, एनएचपीसी, एनपीसीसी एवं सीपीडब्ल्यूडी को कार्यान्वयन हेतु चिन्हित कर राज्य के विभिन्न जिले संबद्ध किए गए।

केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति निम्नवत् हैं -

अब तक 252 पथों का कार्य ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृत किया गया है जिसकी कुल लागत 723 करोड़ रुपये एवं लम्बाई 2391 कि.मी. है।

34.29 कि.मी. लंबाई के 4 पथों का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है।

1208.77 कि.मी. के 130 पथों का निर्माण कार्य जारी है।

521 कि.मी. लंबाई के 65 पथों की निविदा आमंत्रित की जा चुकी है।

---

* Laid on the Table and also Placed in Library, See No. LT 3200/2005

515 कि.मी. लंबाई के 52 पथों की निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया जारी है।

2827 कि.मी. लंबाई के 328 पत्रों की डीपीआर बनाने एवं संवीक्षा की कार्रवाई जारी है।

इन केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की केन्द्र एवं राज्य सरकार के स्तर पर नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है ताकि कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

राज्य सरकार से यह अनुरोध किया गया है कि प्रथम दो चरणों में लिए गए पथों की अवशेष लंबाई का पूरक प्रस्ताव भेजें।

राज्य सरकार से यह अनुरोध किया गया है कि त्वरित गति से कोरनेट्वर्क, सीएन्सीपीएल एवं सीयूपीएल तैयार कर प्रस्तुत करें। राज्य सरकार से यह भी अनुरोध किया गया है कि भारत निर्माण के अंतर्गत 9956 से अधिक आबादी वाली योग्य बसावटों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने तथा 9295 कि.मी. पथों के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य योजना बनाकर समर्पित करें।

MR. SPEAKER: Please do not raise hands. If anybody raises hands, I am not going to allow any second Member.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have already said that whose names are there, they will only be allowed.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : हम जरूर ध्यान रखेंगे। आप बैठिये।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री सड़क योजना शतप्रतिशत केन्द्र की योजना है। इस योजना का उद्देश्य प्रथम चरण में एक हजार की आबादी वाले गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ना तथा पहाडी इलाकों में 500 की आबादी वाले गांव को सड़क से जोड़ना है। इस योजना के तहत बिहार राज्य के कुल 1907 गांवों का चयन किया गया है जिसमें 968 सड़कों की संख्या है तथा लंबाई 2220 किलोमीटर है। हम खंडवार पहला प्रश्न माननीय मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि 2222 कि.मी. सड़क में से अब तक बिहार में कितने कि.मी. सड़क निर्माण की स्वीकृति दी गई है और उस पर कितनी राशि आबंटित की गई ? जो जवाब माननीय मंत्री जी का आया है, जो आज का आपका जवाब है और जो पहले आपने किताब भेजी है, हमें लगता है कि आंकड़ों में थोड़ा अंतर पड़ रहा है। आप इन आंकड़ों को एक बार देख लें और देखकर स्पट रूप से बताएं कि कितनी राशि अब तक आपने स्वीकृत की और कितनी राशि विमुक्त की ? हम माननीय मंत्री जी का ध्यान इस तरफ भी आकर्षित करना चाहेंगे कि यह योजना 2000-2001 से शुरू की गई और बिहार मे प्र

ाथम फेज में 298 स्ड़कों का च्यन कि्या ग्या जि्सकी लम्बाई लग्भग 811.66 कि.मी. है जि्समें 149.9 करो्ड़ रुप्या वि्मुक्त कि्या ग्या था। स्रकारी आंक्ड़ों के अनुस्रार अक्तूबर 2004 तक 143 स्ड़क यानी 413 कि.मी. स्ड़क का निर्माण हुआ जि्से लग्भग 50 प्रति्शत की उपलब्धि माना जा स्कता है। स्रकारी आंक्ड़ों के अनुस्रार इ्से 50 प्रति्शत की उपलब्धि कहा ग्या है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ दूस्री ही है।

माननी्य मंत्री जी, हम आपकी स्ूचना के लि्ए यह बात बता रहे हैं। हम आप पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगा रहे हैं कि प्रथम चरण में भी आपने जो रा्शि शुरू की थी, जो का्र्य शुरू कि्ये ग्ये थे, जो नि्विदा निकली थी जि्समें पचा्स प्रति्शत की उपलब्धि का आपने ब्यौरा दि्या है, उ्समें से बहुत स्ारे काम अभी तक पूरा नहीं कि्ये ग्ये हैं और काफी स्ारा काम अभी अधूरा है। जब काम अधूरा है तब आप इ्से उपलब्धता कै्से मान स्कते हैं ? जो आपने जांच टीम बनाई थी कि जो से्वानि्वृत्त इंजीनि्यर थे, जो दे्श भर के लोगों को बुलाकर उ्समें सम्मिलित कि्या था कि ये लोग जांच करेंगे और जांच करके क्वॉलिटी और क्वांटिटी का प्रति्वेदन देंगे, जि्सके आधार पर केन्द्र की स्रकार आव्श्यक का्र्वाई करेगी लेकिन जो आपके इंजीनि्यर ग्ये, माननी्य मंत्री जी, इ्से आप आरोप-प्रत्यारोप के रूप में नहीं लीजिएगा, जो रिटा्यर लोग थे, जो बेरोजगार हो ग्ये थे, उनको आपने एक न्यी नौकरी, एक न्या रोजगार देने का काम कि्या। जो नौकरी में हैं, जिन्हें अपने निलम्बन का डर है, जिन्हें का्र्वाई का डर है, जब आप उन्से कोई काम नहीं करा स्कते हैं तो जो लोग से्वानि्वृत्त हो ग्ये हैं, जो आपके नि्यंत्रण में नहीं हैं, जो रोजी-रोटी के लि्ए आपके यहां आ ग्ये हैं, उन्से आप कितना नि्पक्ष और स्ही काम की उम्मीद कर स्कते हैं ? हमारा यह मानना है कि जो लोग ग्ये, उ्सकी जांच वे स्ही तरीके से नहीं कर पाए और जि्सके कारण आपकी क्वॉलिटी में सुधार नहीं हो पा्या है। दूस्रे, हम यह कहना चाहेंगे कि आप क्वॉलिटी पर ध्यान दीजिए और क्वॉलिटी के स्ंबंध में अगर आप बिहार की स्ड़कों की जांच करने के लि्ए जो आपकी कमेटी गई है और जो क्वॉलिटी का प्रति्वेदन आ्या है, उ्स प्रति्वेदन के आधार पर आप यह बताइए कि किन-किन जगहों पर आपके प्राक्कलन के आधार पर क्वॉलिटी स्ही पाई गई है और आपके प्राक्कलन के आधार पर काम पा्ये ग्ये हैं और कितनी जगहों पर आपके प्राक्कलन के अनुस्रार क्वॉलिटी के काम नहीं हुए हैं ? जहां क्वॉलिटी के अनुस्रार काम नहीं हुए हैं, वहां स्ंबंधित पदाधिकारि्यों या उन ठेकेदारों के वि्रुद्ध का्र्वाई करने के लि्ए क्या राज्य स्रकार से आपने कोई परामर्श कि्या है ? क्या आपने उनको कोई दि्शानिर्देश दि्या है ? अगर आपने दि्शानिर्देश दि्या है तो इ्स स्ंबंध में बताइए कि अब तक उन लोगों के खिलाफ क्या-क्या का्र्वाई की गई है और 2002-03 में जो आपने रा्शि आबंटित की थी, उ्स रा्शि की उपलब्धि स्रकारी आंक्ड़ों के अनुस्रार लग्भग 14 प्रति्शत बताई जाती है। हम यह जानना चाहते हैं कि स्न् 2000-2001,2002-2003 में कुल मिलाकर जो बिहार की स्ड़कें स्वीकृत थीं और जो स्वीकृति के बाद भी रा्शि वि्मुक्त नहीं की थी, क्या उ्स रा्शि को आप वि्मुक्त करना चाहेंगे ? जो बाकी स्ड़क है, उ्से क्या आप पूरा कराना चाहेंगे ? इ्सी के साथ में, मैं यह जानना चाहूंगा कि जो हमारे पा्स आंक्ड़े उपलब्ध हैं, अगर ये आंक्ड़े स्ही हैं तो 2003-04 में बिहार की एक कि.मी. स्ड़क की भी आपने स्वीकृति नहीं की है। जब स्वीकृति आपने नहीं की है तो पै्सा देने का कहीं से कोई स्वाल नहीं उठता है। इ्सलिए हम यह जानना चाहते हं कि 2003-04 में जो बिहार का हि्स्सा बना, जो स्ड़कें आप कि्श्त्वाइज कर रहे हैं, कारण कि आपने कुल स्ड़कों की संख्या और लम्बाई का आपने आकलन करा्या है, उ्सके आधार पर जो 2003-04 का जो बिहार का हि्स्सा बनता है, उ्स रा्शि को क्या आप बिहार के लि्ए वि्मुक्त करेंगे ? क्या आप बिहार में उन स्ड़कों का निर्माण कराने का काम करेंगे ?

महोद्य, जहां तक र्वा 2004-05 और 2005-06 का स्वाल है, यह बात स्त्य है कि आपके का्र्यालय में एक बैठक हुई थी जि्समें आपने हम लोगों को भी आमन्त्रित कि्या था। हम लोग लोक्स्भा के अन्दर और बाहर भी बराबर कहते रहे हैं कि बिहार की एजें्सी स्ही ढंग से काम नहीं कर रही है, इ्सलिए आप केन्द्री्य एजें्सी से काम कर्वाइए और उ्समें यह स्हमति बनी थी कि केन्द्री्य एजें्सी से कर्वा्या जाए। आपने जवाब में भी लिखा है कि हमने केन्द्री्य एजें्सी के जिम्मे ये काम दि्ये हुए हैं और उ्सके लि्ए आपने कहीं-कहीं पर नि्विदाएं भी आमन्त्रित की हैं। आपने एक पत्र का हवाला एक प्र्श्न के उत्तर में देते हुए कहा था कि हम इनको पत्र भेजते हैं, वे पढ़ते नहीं हैं और जमीनी हकीकत को जानते नहीं हैं, इ्सलिए मैं उ्स पत्र का जि्क्र करना चाहता हूँ। हमने इ्स पत्र को पढ़ा है।

अध्यक्ष महोद्य : अपनी बात को इतना लम्बा करने से कै्से काम चलेगा।

श्री प्रभुनाथ स्िंह : महोद्य, मैं बिल्कुल प्वाइंटेड बात कह रहा हूँ।

मंत्री महोद्य ने हमें जो पत्र भेजा है, उ्समें के्वल तीन जिलों की सूची भेजी ग्यी है, उ्समें पूरे बिहार की सूची नहीं है। इन तीन जिलों के मिलाकर चार लोक्स्भा नि्र्वाचन क्षेत्र बनते हैं, जिनमें से एक नि्र्वाचन क्षेत्र से माननी्य रेलमंत्री श्री लालू प्रसाद या्दव जी आते हैं, दूस्रे नि्र्वाचन क्षेत्र से श्री साधु या्दव जी आते हैं, ती्सरे नि्र्वाचन क्षेत्र से शहाबुद्दीन साहब आते हैं और चौथा मेरा नि्र्वाचन क्षेत्र है। आप अपनी सूची देख लीजिए, इ्से देखने से ऐसा लगता है कि यह ठीक नहीं है और यह हम इ्सलिए कह रहे हैं क्योंकि इनमें से पहले तीन नि्र्वाचन क्षेत्रों की जो योजनाएं हैं, उनके लि्ए आपने नि्विदाएं आमन्त्रित की हैं, उन पर अद्यतन निर्माण की का्र्यवाही की है। लेकिन मेरे नि्र्वाचन क्षेत्र की जो योजनाएं हैं, उनके बारे में आपने लिखा है कि फॉर्मल स्वीकृति के बाद ही इ्स पर का्र्यवाही होगी और स्र्वे प्रोग्रे्स में है। आपकी नी्यत क्या है? क्या आप इ्स तरह से भेद्भाव्पूर्ण तरीके से स्ड़कों का निर्माण कराएंगे कि जिन इलाकों में आपके दल के सां्सद हों, उनमें स्ड़कों का निर्माण होना चाहिए और जहां आपके दल के सां्सद नहीं हों, वहां स्ड़कों का निर्माण नहीं होना चाहिए?

अध्यक्ष जी, यह माननी्य मंत्री जी की चि्ट्ठी है, मेरी नहीं और अगर आपका आदे्श हो तो मैं इ्से स्दन के पटल पर रख दूंगा। चूंकि उन्होंने इ्स चि्ट्ठी का जि्क्र करते हुए कहा था इन्होंने हमें चि्ट्ठी भेजी है, इ्सीलिए मैंने इ्सका जि्क्र कि्या है। मैं आपके माध्यम से माननी्य मंत्री जी से नि्वेदन करना चाहूंगा कि भेद्भाव के दृ्टिकोण से नहीं बल्कि एक नि्पक्ष तरीके से बिहार में स्ड़कों के वि्कास के लि्ए प्र्यास कीजिए। चूंकि बिहार के वि्कास के बारे में आपने कहा था कि र्वा 2009 तक बिहार की स्ड़कों का आप इ्स ढंग से वि्कास कराएंगे कि बिहार भी अगली पंक्ति में खड़ा होगा। लेकिन कै्से खड़ा होगा यदि आप इ्स तरह से भेद्भाव्पूर्ण तरीके से काम करेंगे? जो मीटिंग हुई थी उ्समें यह स्हमति बनी थी कि पीड्ब्ल्युडी की लम्बी स्ड़कों को इ्समें शामिल कि्या जाएगा। इ्सका मुख्य उद्दे्श्य यह था कि ग्रामीण क्षेत्रों में 1,000 की आबादी वाले इलाके के लोगों को हम मुख्य मार्ग से जो्ड़ेंगे। उ्स उद्दे्श्य को आप कै्से पूरा करेंगे?

दूस्री बात यह है कि अगर केन्द्री्य एजें्सी स्ही ढंग से काम नहीं कराती है तो उ्स स्थिति में, चूंकि अब राज्य में काम करने वाली स्रकार हो ग्यी है, क्या आप उ्स पै्से को राज्य स्रकार को देंगे ताकि स्ही स्मय पर इन स्ड़कों का निर्माण कि्या जा स्के। साथ ही इ्सकी मॉनीटरिंग और जांच के लि्ए आपने क्या-क्या तरीके निकाले हैं, इन तरीकों पर कृप्या वि्स्तार से चर्चा कीजिए?

डॉ. रघुव्ंश प्रसाद स्िंह : अध्यक्ष महोद्य, मैं सबसे पहले आपका आभार मानता हूँ कि आपने जनहित के स्वाल पर ध्यानार्काण प्रस्ताव को अपनी मंजूरी देने की कृपा की है। इ्सके साथ ही मैं माननी्य सद्स्य को भी धन्य्वाद देना चाहता हूँ कि जनता के हित की उन्होंने चिन्ता की है और वह उत्सुक हैं कि लोगों की कठिनाई जल्दी से दूर हो एवं या्तायात की सम्स्या हल हो, स्ड़कें वहां बनें। लेकिन महोद्य, माननी्य सद्स्य ने अन्त में यह जो कहा कि भेद्भाव हुआ हुआ है और हो रहा है, यह कहना निराधार और पूर्वाग्रहग्रस्त है।

श्री प्रभुनाथ स्िंह : मैंने तो आपकी ही चि्ट्ठी पढ़ी है।

डॉ. रघुव्ंश प्रसाद स्िंह : वह चि्ट्ठी तो हमने आपको जानकारी देने के लि्ए लिखी थी और के्वल आपको ही नहीं बिहार के सभी माननी्य सद्स्यों को इ्स चि्ट्ठी के माध्यम से अद्यतन स्थिति की जानकारी हमने दी है।

महोद्य, कोई भेद्भाव नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे (बक्सर) : ये सदन को गुमराह कर रहे हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आपको भी पत्र दिया गया है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : इस तरह से आपको बोलने का कोई हक नहीं है। ऐसा मत करें। Nothing will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने सभी माननीय सद्स्यों को पत्र दिया है। हमारे पास सबूत है उनकी रिसीविंग का। अगर कोई माननीय सद्स्य चुनौती देता है तो मैं वह चुनौती स्वीकार करता हूं। मैंने सभी सद्स्यों को पत्र दिए हैं।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record. The statement of any hon. Member speaking without my permission will not be recorded.

(Interruptions) â€¦*

MR. SPEAKER: Do not do this. Nobody should interrupt.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोद्य : थोड़ी छवि ठीक करें।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : सर्वप्रथम चीज है ट्रांसपेरेंसी की, कि सब लोग जानें। इसीलिए हमने सभी माननीय सद्स्यों के साथ लिखा-पढ़ी की और उन्हें अद्यतन स्थिति की जानकारी देते रहते हैं। मैंने तीन बार संसद सद्स्यों के साथ बैठक की है और बिहार के माननीय सद्स्यों के साथ भी की है। अब हमने कार्यवाही शुरू कर दी है। माननीय सद्स्य ने सवाल उठाया राशि का कि पांच-छः वर्षों से बिहार को उसका हिस्सा नहीं मिला। इस वर्ष बिहार का हिस्सा 1082 करोड़ रुपए था, जिसमें से अभी तक 1141 करोड़ रुपए की स्वीकृति दे दी गई है। अभी तक एक्सपेंडिचर की रिपोर्ट 294 करोड़ रुपए की है। फाइनेंशियल प्रोग्रेस के हिसाब से यह स्थिति है। फिजीकल प्रोग्रेस के हिसाब से अभी तक हमने 4498 किलोमीटर सड़कों की मंजूरी दी है।â€¦ (व्यवधान)

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: I will have to request hon. Members not to interrupt.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What are you doing here?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is very unfortunate that the Speaker of Lok Sabha has to request Members to keep quiet. You should all think what you are doing.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : मैंने अपने लिखित स्टेटमेंट में माननीय सद्स्य द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब दिया है। 2219 किलोमीटर सड़क की लागत 452 करोड़ रुपए है। उसके लिए 359 करोड़ रुपए विमुक्त किए जा चुके हैं। 463 पथों की लम्बाई 1197 किलोमीटर है, उसका कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

श्री लाल मुनी चौबे : मैं मंत्री जी के जवाब से संतुट नहीं हूं इसलिए मैं सदन से वाकआउट करता हूं।

12.28 hrs. (Shri Lal Muni Choubey then left the House)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : उस पर 298 करोड़ रुपए व्यय हो चुके हैं। उसके बाद अब तक 252 पथों का कार्य निर्माण ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृत किया गया, जिसकी कुल लागत 723 करोड़ रुपए है और लम्बाई 2391 किलोमीटर है। 34.29 किलोमीटर लम्बे चार पथों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। 1208 किलोमीटर के 130 पथों का निर्माण कार्य जारी है। 521 किलोमीटर लम्बाई के 65 पथों की निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। 515 किलोमीटर के 52 पथों की निविदा आमंत्रण की प्रक्रिया जारी है। 2827 किलोमीटर लम्बाई के 328 पथों की डीपीआर बनाने सम्बन्धी समीक्षा की कार्यवाही चल रही है और काम तेजी से चल रहा है। इसलिए अद्यतन यह स्थिति है।

माननीय सद्स्य ने अपने क्षेत्र का सवाल उठाया है। हमने उन्हें यही कहा था कि देश के सभी जिलों में अच्छे ठेकेदारों की कमी है। इसलिए टेंडर कम आ रहे हैं। छपरा में दस-पन्द्रह दिन पहले एक भी टेंडर नहीं डाला गया, जबकि तीन-तीन बार एक्सटेंशन दिया गया। कल की रिपोर्ट है कि दो किस्तों में टेंडर डाला गया है और दो सड़कों का टेंडर अवार्ड किया जा चुका है।

महोद्य, इनका क्षेत्र दो जिलों में प्ड़ता है। सीवान जिले में अभी तक तीन-तीन बार एक्सटेंशन हुआ टेंडर का, लेकिन किसी का टेंडर नहीं डाला गया। इसीलिए हमने माननीय सदस्य से सहायता की अपेक्षा की थी कि टेंडर दिया जा रहा है, लेकिन किसी के द्वारा टेंडर नहीं डाला जा रहा है। इसलिए कृपा करके छानबीन की जाए कि क्या बात है और क्या बात होने से वहां टेंडर डाला जा सकता है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : बीच में न टोकें। मंत्री जी अच्छा भाण दे रहे हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : जहां तक क्वालिटी की बात है, तो पहले तीन स्तर पर क्वालिटी की देखरेख होती थी। पहले राज्य सरकार द्वारा होती थी। दो स्तर पर सड़कों की क्वालिटी की जांच करने की राज्य सरकार की जिम्मेदारी थी। तीसरे स्तर पर यहां सेंटर से नेशनल लेवल मॉनिटिरिंग होती है। जो रिटायर्ड पर्सन्स हैं, इंजीनियर्स, आईएएस ऑफिसर्स हैं उनको इसमें रखा गया है। अगर कोई शिकायत होती है तो जांच कराई जाती है। हमने निर्देश दिया है कि जो सड़कें बन रही हैं उनकी शुरु में, मध्य में और अंत में, तीन बार जांच हो, जिससे अगर कोई गड़बड़ी हो तो उसकी जांच हो सके। इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पहले जो टेक-ऑफ नहीं लिया था, अब काम टेक-ऑफ ले रहा है। माननीय सदस्य कहते हैं कि उनकी सरकार आ गयी है। हमने कहा कि जो पहले की अधूरी सड़के हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हमने कहा है कि काम करने वाली सरकार आई है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : आपको भरोसा है लेकिन तुरंत पता चल जाएगा कि कितना काम करने वाली सरकार है।

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, I am sorry. I gave you full opportunity to speak, and the hon. Minister has also given his reply.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने कहा है कि पहले की जो सड़कें ली गयी हैं उनका मिसिंग लिंक बचा हुआ है उसकी तुरंत डीपीआर बनाएं और राज्य सरकार चाहे तो अपने से उन्हें पूरा करे। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: No, I am sorry. I cannot allow this to go on like this.

...(*Interruptions*)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमारा कहना है कि जो भारत निर्माण की योजनाएं हैं और माननीय वित्त मंत्री जी ने इसी सदन में घोणा की कि चार वर्ों में 48,000 करोड़ रुपया खर्च करेंगे यानी 12,000 करोड़ रुपया सालाना खर्च करेंगे। पुरानी सरकार तो ढाई हजार करोड़ रुपया सालाना खर्च करती थी। हमारा बजट 48,000 करोड़ रुपये का है। अगले साल 9 हजार करोड़ रुपये का बजट है। वह सरकार ढाई हजार करोड़ रुपया सालाना खर्च नहीं कर पाती थी वहीं हम 12,000 करोड़ रुपया सालाना खर्च करेंगे यानी पांच गुना अधिक खर्च करेंगे। हमने देश के सभी राज्यों के सचिवों की दो बार बैठकें की हैं। हमने राज्यों सरकारों से कहा है कि वे अपनी खर्च करने की क्षमता बढ़ाएं क्योंकि चार वर्ा के अंदर हजार की आबादी वाले गांव को पक्की सड़क से जोड़ दिया जाएगा। पहाड़ी और ट्राइबल्स एरिया की पांच सौ की आबादी तक के गांव को चार वर्ों में ऑल वैदर रोड से जोड़ने की योजना है। हमें भारत निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करना है। महोद्य, मैं आपसे और माननीय सदस्यों से अपील करता हूं कि जो डिस्टिंग्विश विजिलेंस एंड मॉनिटिरिंग कमेटी है उसकी तीन महीने में एक बार जरुर बैठक करें और सभी कामों की मॉनिटिरिंग करें और इस काम के लिए हमें प्रोत्साहित करें, जिससे माननीय सदस्यों, राज्य सरकारों और पंचायती राज के सहयोग से हम इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरा कर सकें।

इसमें माननीय सदस्यों को पूरी अहमियत दी गयी है। माननीय सदस्यों को हमने कहा है कि उनकी पूरी सूची दी गयी है और कहा गया है कि आपको निर्देश मानना पड़ेगा। नहीं मानने पर बताना पड़ेगा कि वह कानून में है या नहीं। हमने कहा है कि माननीय सदस्य ही उस काम का शिलान्यास करें, शुरुआत करें, उसका उद्घाटन करें। इस तरह से माननीय सदस्यों को पूरी अहमियत दी गयी है। इस तरह से माननीय सदस्यों का सहयोग होगा और जनता का काम होगा।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: It cannot go on like this.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, हमें कहने दिया जाए।

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, please sit down. I have already allowed your matter to be raised in the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded.

(Interruptions) .â€¦*

---

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please allow me to regulate the proceedings of this House. Please sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, हम आपसे अपील करते हैं कि आप सहयोग करें। Do not record it. Nothing will be recorded.

(Interruptions) â€¦*

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। I appeal all of you to please co-operate with the Chair.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : मंत्री जी बोलने के लिए खड़े हो गये हैं।

MR. SPEAKER: I would not allow him to speak

...(*Interruptions*)

---

* Not Recorded.